REET 2025
LEVEL-1
वंदन बैच
MATHS
औपचारिक वि अनोपचारिक विधियां
LIVE
28-01-2025 07:00 AM

Evaluation मूल्यांकनः-

- आकलन व मूल्यांकन सतत् प्रक्रिया है। **Assessment and evaluation is a continuous process.**
- मूल्यांकन का उद्देश्य बच्चो की अभिव्यक्ति, क्षमता, अनुभूति, का मापन होता है। **The purpose of evaluation is to measure the expression, ability, perception of the children.**
- 10-30% समय शिक्षक आकलन पर खर्च करता है। **The teacher spends 10-30% of the time on assessment.**

- मूल्यांकन किसी वस्तु, व्यक्ति के गुण व दोष का विवेचन करके उसके सम्बन्ध में सही निर्णय करना। **Evaluation is to make the right decision about an object or a person by analyzing its merits and demerits.**
- मूल्यांकन की प्रकृतिः- मात्रात्मक एवं गुणात्मक **Nature of evaluation:- Quantitative and qualitative**

REET 2025 LEVEL-1

मूल्यांकन की विशेषताएँ:-

- वैधता (Validity):- उसी बात का परीक्षण या Test बच्चे से कराये जो पढ़ाया गया है। **The child should be tested on the same thing which has been taught.**
- विश्वसनीयता:- प्रश्न के उत्तर देने मे यह Fix हो कि कौन-सा उत्तर सही है। **It should be fixed which answer is correct while answering the question.**
- व्यापकता:- इसमें सभी गुणो का मापन होता है। **All the qualities are measured in it.**
- छात्रो को अध्ययन की ओर अग्रसित करता है। **It leads the students towards study.**
- छात्रों की कमजोरी जानने में सहायक होता है। **It helps in knowing the weaknesses of the students.**

सतत और व्यापक मूल्यांकन (CCE) NEP 1986 के अनुसारः-

शैक्षिक और गैर-शैक्षिक दोनो पहलू शामिल हो। **Both educational and non-educational aspects should be included.**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

- CCE की जरुरत- जल्दी जल्दी होने वाली गलतियो की जगह कम अंतराल पर होने वाली गलतियों को सुधारना। **Need of CCE- Correcting mistakes that occur at short intervals instead of frequent mistakes.**

School based Assessment (SBA):-

➲ इसमें बाहरी पेपरो की जगह खुद ही उनकी क्षमताओं को बेहतर बनाता है। **In this, instead of external papers, the student improves their abilities on their own.**

मूल्यांकन में उपयोगी वस्तुएँ:-

(1) पोर्टफोलियो Portfolios:-

एक प्रकार की फाइल होती है जिसमे बच्चे की रिपोर्ट होती है। It is a type of file which contains the report to be made.

(2) रिकार्ड (Record):- बच्चे की दक्षता, व्यवहार आदि का रिकॉर्ड रखा जाता है। A record of the child's efficiency, behavior etc. is kept.

(3) Rating Scale:- MATH में बहुत उपयोगी है। Very useful in MATH.

(4) चेक List :- यह आकलन Yes और No में होता है। This assessment is done in Yes and No.

मूल्याकन के प्रकार:-

- ❖ अनौपचारिक Informal
- ❖ ऑपचारिक Formal
- ❖ निदात्मक मूल्याकन Formative

1. अनोपचारिक मूल्यांकन (Formative Evaluation) :-

बच्चों की लगातार प्रतिपुष्टि के लिए निर्माणात्मक मूल्यांकन सहायक है। निर्माणात्मक मूल्यांकन के अध्यापक पढ़ाते समय यह जांच करते हैं कि बच्चे ने अनुभूतियां अभिव्यक्तियां और ज्ञान को कितना ग्रहण किया है। निर्माणात्मक मूल्यांकन पाठ के बीच बीच में से किया जाता है।

Formative assessment is helpful for continuous feedback of children. In formative assessment, teachers check while teaching how much the child has grasped the feelings, expressions and knowledge. Formative assessment is done in between the lessons.

विशेषताएं :-

- इसमें बच्चों और अध्यापक दोनों की प्रतिपुष्टि होती है। **It has feedback from both children and teacher.**
- यह अधिक से अधिक अधिगम करने के लिए होता है। **It is done for maximum learning.**
- यह निदानात्मक एवं उपचारात्मक होता है। **It is diagnostic and remedial.**
- यह आंतरिक आकलन है क्योंकि यह कक्षा के अंदर का मामला है। **It is internal assessment because it is an inside class matter.**

- इसे अधिगम के लिए आकलन भी कहते हैं। **It is also called assessment for learning.**
- इस आकलन के अंक नहीं दिए जाते इसलिए इसे अनौपचारिक आकलन कहते हैं। **Marks are not given for this assessment, hence it is called informal assessment.**

2) ओपचारिक मूल्यांकन (Summative Evaluation) :-

योगात्मक मूल्यांकन सत्र के अंत में होता है। अध्यापक द्वारा पढ़ाने के बाद यह देखना कि बच्चों ने ज्ञान को किस हद तक ग्रहण किया है।

Summative assessment is done at the end of the session. After the teacher teaches, it is observed to what extent the children have grasped the knowledge.

यह साल में केवल दो बार सितंबर और मार्च में होता है और इसको हम उपलब्धि परीक्षण भी कहते हैं पूरे वर्ष भर की बच्चों की उपलब्धि का सहारा देता है।

This happens only twice a year in September and March and we also call it achievement test. It gives the support of children's achievement for the whole year.

- यह उपचारात्मक वह निदानात्मक दोनों नहीं है

It is neither remedial nor diagnostic.

REET 2025 LEVEL-1

3) निदानात्मक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation) :-

वह जो बच्चे असफल हो रहे हैं उन बच्चों के असफलता का कारण ढूंढना निदानात्मक मूल्यांकन कहलाता है।

Finding the reason for the failure of those children who are failing is called diagnostic evaluation.

शिक्षक :- हमारी कहाँ कमी रह गई।

बच्चे ने कहाँ कमी की।

उपचारात्मक मूल्यांकन :-

बच्चे में कमी कहाँ रह गई।
उसे कैसे सुधारें
उसे मैं और अच्छा बनाएँ।

ये अच्छे शिक्षक के गुण होते हैं।